उत्तर प्रदेश में टेलीफोन एक्सचेंज

1468. **श्री राम नरेश यादव :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वर्ष तथा आगामी वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश में कितने नये टेलीफोन एक्सचेंज स्थापित किए जाने की संभावना है, और उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) किन-किन शहरी गांवों को नए कनेक्शन दिये जायेंगे, और इनका शहर-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भविष्य में पुराने एक्सचेंजों को नवीकरण में शामिल किया जायगा, और

(घ) यदि हां, तो इन टेलीफोन एक्सचेंजों के नाम क्या हैं ?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) एक वर्ष के दौरान कम से कम 10 मांगे दर्ज होने पर नए एक्सचेंज खोले जाते हैं । 31.3.91 तक लंबित पड़ी ऐसे मांगें 1990-91 के दौरान पूरी की गई । उत्तर प्रदेश में 40 नए टेलीफोन एक्सचेंज इस वर्ष 1991-92 के दौरान और लगभग 40 नए एक्सचेंज आगामी वर्ष 1992-93 के दौरान खोले जाने की संभावना है ।

(ख) उत्तर प्रदेश में कुल मिलाकर 1244 टेलीफोन एक्सचेंज हैं । इस वर्ष 1991-92 के दौरान विभिन्न एक्सचेंजों में लगभग 68,000 नए कनेक्शन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है ।

(ग) जी हां । पुराने मियाद समाप्त एक्सचेंजो को आधुनिकीकरण के लिए शामिल किया गया है ।

(घ) इस वर्ष 1991-92 के दौरान आधुनिक किए जाने वाले टेलीफोन एक्सचेंजों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

मध्यम और छोटे आकार के एक्सचेंज

इटावा	800 लाइनों के इलैक्ट्रोमैकेनिकल (मैक्स–II) के स्थान पर 1000 लाइनों का इलैक्ट्रानिक (ई–10बी आर.एल.यू.)
आजमगढ़	1300 लाइनों के इलेक्ट्रोमैकेनिकल (मैक्स–II) के स्थान पर 2048 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आईएलटी)
फर्रुखाबाद	1320 लाइनों के मैनुअल के स्थान पर 2048 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आई एल टी)
अल्मोड़ा	384 लाइनों के इलेक्ट्रानिक (एम सी आर) के स्थान पर 2048 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आई एल टी)
बदायूं	1100 लाइनों के इलेक्ट्रोमैकेनिकल (मैक्स–II) के स्थान पर 2048 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आई एल टी)
मैनपुरी	700 लाइनों के इलेक्ट्रोमैकेनिकल (मैक्स–II) के स्थान पर 2048 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आई एल टी)
गोंडा	800 लाइनों के इलेक्ट्रोमैकेनिकल (मैक्स–II) के स्थान पर 2048 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आई एल टी)
पीलीभीत	900 लाइनों के इलेक्ट्रोमैकेनिकल (मैक्स–II) के स्थान पर 2048 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आई एल टी)
हरदोई	800 लाइनों के इलेक्ट्रोमैकेनिकल (मैक्स–II) के स्थान पर 2048 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आई एल टी)

रुद्रपुर	640 लाइनों के इलेक्ट्रानिक अनालॉग (एम सी आर) के स्थान पर 2048 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आई एल टी)
काशीपुर	896 लाइनों के इलेक्ट्रानिक अनालॉग (एम सी आर) के स्थान पर 2048 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आई एल टी)
कोटद्वार	600 लाइनों के मैनुअल (सी बी एम) के स्थान पर 1400 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (आई एल टी)
उरई	6000 लाइनों के इलेक्ट्रानिक (एन ई एक्स) के स्थान पर 1400 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (सी. डाट)
नैनीताल	896 लाइनों के इलेक्ट्रानिक (एम सी आर) के स्थान पर 1400 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (सी डाट)
मदोई	800 लाइनों के इलैक्ट्रोमैकेनिकल के स्थान पर 1000 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (सी डाट)
धामपुर	480 लाइनों के मैनुअल के स्थान पर 1000 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (सी डाट)
किछा	320 लाइनों के इलेक्ट्रानिक (एम सी आर) के स्थान पर 1000 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (सी डाट)
राम नगर	384 लाइनों के इलेक्ट्रानिक (एम सी आर) के स्थान पर 1000 पोर्ट इलेक्ट्रानिक (सी डाट)

इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के नेटवर्क में छोटे आकार के निम्नलिखित इलेक्ट्रानिक एक्सचेंज जोड़े जाने का प्रस्ताव है जिसमें से लगभग 50 प्रतिशत वर्तमान पुराने एक्सचेजों के स्थान पर बदले जाएंगे ।

512 पोर्ट सी डाट	20 अदद
512 पोर्ट आई एल टी	6 "
200 पोर्ट ई एस ए एक्स	16 "
64 पोर्ट एम आई एल टी	80 "
128 पोर्ट सी डाट	71 "

बड़े आकार के एक्सचेंज

वर्ष 1991–92 के दौरान उत्तर प्रदेश में निम्नलिखित एक्सचेंज स्थापित करने/ डिजिटल इलैक्ट्रानिक (ई–10 बी) एक्सचेंजों द्वारा विस्तार करने का प्रस्ताव है :

— लखनऊ महानगर 4000 लाइनों का मुख्य

— हरिद्वार वर्तमान 3680 लाइनों के स्थान पर 8000 लाइनें

— कानपुर 4600 लाइनों का मुख्य

— वाराणसी वर्तमान 5000 लाइनों के स्थान पर 5000 लाइनों का मुख्य

— मुरादाबाद 1000 लाइनों का मुख्य

— मुजफ्फरनगर 11000 लाइनों का मुख्य

— मथुरा वर्तमान 45000 लाइनों के स्थान पर 5000 लाइनों का मुख्य

— मुरादाबाद 4000 लाइनों का मुख्य

— देहरादून 5000 लाइनों का मुख्य

— मंसूरी वर्तमान 800 लाइनों के स्थान पर 1000 लाइ

— झांसी वर्तमान 2400 लाइनों के स्थान पर 4000 लाइनें

— लखनऊ महानगर 1400 लाइनों के स्थान पर ई–10 बी आर एल यू

इलैक्ट्रोमैकेनिकल एक्सचेंज (बड़े आकार के)

— मथुरा स्ट्रोजर 400 लाइनों का विस्तार।

— मुरादाबाद स्ट्रोजर 1200 लाइनों का विस्तार।

— मेरठ क्रासबार 2000 लाइनों का विस्तार ।

— आगरा–II क्रासबार 5000 लाइनों मुख्य ।

Proposal to Meter Local Calls from Electronic Exchange

1469. SHRI SYED SIBTEY RAZI:

SHRI MENTAY PADMANABHAM:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government propose to meter all local calls from Electronic Exchanges in Delhi from September, 1991;

(b) if so, the details thereof and circumstances leading to such move;

(c) whether this arrangement would not apply on private connections;

(d) whether Government propose to take some concrete measures to provide better customer services; and

(e) if so, the details thereof with criteria for such improvement and by when these would be effective?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) and (b) Local calls from Electronic Exchanges in Delhi are already metered on untimed basis. There is a proposal under consideration for introduction of Times, Meeting of local calls at the interval of 3 minutes to relieve congestion on telephone lines.

(c) The proposal covers all telephone lines from Electronic Exchanges including private lines.

(d) Yes, Sir.

(e) Concrete measures have already been initiated to provide better customers' services. The details are given in the attached statement.

Statement

Steps taken/to improve further the telephone services for Delhi.

(1) *External Plant:*

1. Revamping and rehabilitation of external plant and fittings at subscribers premises.
2. Locking and dressing up of DPs Cabinets & Pillars.
3. Laying of underground Cables in ducts.
4. Pressurisation of Junction, Primary and Secondary Cables.
5. Use of Jelly Filled underground Cables.